अवन्तितीर्थोद्धारकश्रीकाधूलियानगरमेंचातुर्मासहेतुप्रवेशसमारोह

धूले 11 जुलाई। पूज्य गुरुदेव अवन्ति तीर्थोद्धारक खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा., पूज्य विपुल साहित्य सर्जक मुनि प्रवर श्री मनितप्रभसागरजी म. , पूज्य मुनि श्री समयप्रभसागरजी म., पूज्य मुनि श्री विरक्तप्रभसागरजी म., पूज्य मुनि श्री श्रेयांसप्रभसागरजी म., पूज्य मुनि श्री मलयप्रभसागरजी म., पूज्य मुनि श्री मयूखप्रभसागरजी म. , पूज्य मुनि श्री महितप्रभसागरजी म. ठाणा 8 एवं पूजनीया समुदायाध्यक्षा महत्तरा श्री चंपाश्रीजी म.सा. की शिष्या पूजनीया धवल यशस्वी साध्वी श्री विमलप्रभाश्रीजी म. , पू. साध्वी श्री विश्वरत्नाश्रीजी म. , पू. साध्वी श्री रश्मिरेखाश्रीजी म. , पू. साध्वी श्री चारुलताश्रीजी म. , पू. साध्वी श्री चारित्रप्रियाश्रीजी म. ठाणा 5 तथा पूजनीया बहिन म. डॉ. श्री विद्युत्प्रभाश्रीजी म.सा. की शिष्या पूजनीया साध्वी श्री आज्ञांजनाश्रीजी म. , पू. साध्वी श्री आगमरुचिश्रीजी म. ठाणा 2 आदि विशाल साधु-साध्वी मंडल का चातुर्मास हेतु धूलिया नगर में प्रवेश समारोह आषाढ सुदि 10 गुरुवार, ता. 11 जुलाई 2019 को अत्यन्त उल्लास व आनंद के साथ संपन्न हुआ।

शोभायात्र पूरे नगर में भ्रमण करती हुई श्री शीतलनाथ जिन मंदिर पहुँची , जहाँ परमात्मा व दादा गुरुदेव के दर्शन कर अग्रवाल विश्राम भवन के विशाल पाण्डाल का उद्घाटन समारोह व पश्चात् अभिनंदन समारोह प्रारंभ हुआ।

इस अवसर पर प्रवचन फरमाते हुए पूज्य आचार्यश्री ने फरमाया- चातुर्मास कचरा साफ करने का अनूठा अवसर है। इस अवसर का हमें पूरा-पूरा लाभ उठाना है। अपने जीवन को धर्म आराधना व साधना से जोडना है। उन्होंने कहा- हम नोट भी गिनते हैं और नवकार भी! परन्तु दोनों की गणना की स्थितियों में कितना अन्तर होता है! नोट जितनी जागरूकता व एकाग्रता से गिनते हैं , क्या नवकार गिनते समय उतने एकाग्र रह पाते हैं। नोट व नवकार गिनते समय क्या हमारी मानसिकता एक समान रह पाती है!

उन्होंने कहा- नोट यहीं धरे रह जायेंगे , नवकार न केवल आपके साथ चलेगा , अपितु आपके भविष्य का निर्माण भी करेगा। सकल श्री संघ को एक होकर धर्म आराधना करने का पूज्यश्री ने आह्नान किया।

समारोह का संचालन करते हुए पूज्य मुनिराज श्री मनितप्रभसागरजी म. ने कहा- संसार में बहुत सारी मणियां हैं। जैसे जलकान्त मणि , पद्मराग मणि, चंद्रकांत मणि, सूर्यकांत मणि, पर वे सभी संसार को आलोकित करती है। पर जिनशासन की यह 'मणि' अन्तर्जगत को रोशन करती है। गुरु में देव भी शामिल है। इसलिये उन्हें गुरुदेव कहा जाता है। उन्होंने विविध प्रकार से चातुर्मास एवं गुरु की महिमा का वर्णन किया।

पू. साध्वी श्री विमलप्रभाश्रीजी म. ने फरमाया- पूज्यश्री के इस चातुर्मास का सभी को पूरा-पूरा लाभ लेना है।

प्रारंभ में समस्त अतिथिगणों का अभिनंदन रूप प्रस्तावना धूलिया शीतलनाथ मंदिर संस्थान के अध्यक्ष श्री प्रेमचंदजी नाहर ने प्रस्तुत की।

इस अवसर पर सौ. भावना नाहर , मालेगांव महिला परिषद्, सुरेशजी लूणिया, जाह्नवी छाजेड, प्रा. डॉ. अरूण कोचर, इन्दौर महिला मंडल, केयुप नंदुरबार से अजय डागा, मुमुक्षु रजत सेठिया आदि ने अपने भाव अभिव्यक्त किये। संगीत से शमां बांधा भरत ओसवाल ने।

संघ की ओर से गुरुपूजन का लाभ लिया मुंबई निवासी जसोल खरतरगच्छ श्रीसंघ के अध्यक्ष श्री भंवरलालजी बोकड़िया ने लिया जबकि कामली का लाभ भिवंडी निवासी श्री शंकरलालजी लालन परिवार ने लिया।

पूज्य मुनि श्री मनितप्रभसागरजी म. द्वारा लिखित 'विचार वैभव' नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। जिसका लाभ सिणधरी-मल्हार पेठ निवासी संघवी श्री भीकचंदजी धनराजजी देसाई परिवार ने लिया।

इस अवसर पर बाहर से बडी संख्या में गुरुभक्तों का आगमन हुआ। सूरत , मुंबई, चेन्नई, बाडमेर, बालोतरा, जसोल, मोकलसर, जयपुर, जैसलमेर, ब्यावर, जालोर, जहाज मंदिर, भिवंडी, देपालपुर, अहमदाबाद, बडवाह, मन्दसौर, फलोदी, मल्हारपेठ, सिणधरी, इन्दौर, उज्जैन, चितलवाना, सांचोर,कारोला, मालेगांव, जलगांव, बीकानेर, भीलवाडा, चौहटन, अक्कलकुआं, खापर, वाण्याविहिर, तलोदा, सेलंभा, खेतिया, शहादा, दोंडाइचा, सारंगखेडा, अमलनेर, पूना, रायपुर, दुर्ग, बेरला, तिमनगढ, दिल्ली आदि कई क्षेत्रें के श्रद्धालुओं का आगमन हुआ। विशेष रूप से कुशल वाटिका के अध्यक्ष श्री भंवरलालजी छाजेड , जिनहरि विहार पालीताना के महामंत्री श्री बाबुलालजी लूणिया , केयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुरेशजी लूणिया , इन्दौर से श्री प्रकाशचंदजी मालू, उज्जैन अवन्ति तीर्थ ट्रस्ट मंडल आदि कई संघों व विशिष्ट गणमान्य जनों का आगमन हुआ।

दादागुरुदेवकीपुण्यतिथिमनाईगई

धूले 12 जुलाई। प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्तसूरीश्वरजी म.सा. की 865वीं पुण्यतिथि धुलिया नगर में पूज्य गुरुदेव गच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसागरसूरीश्वरजी म.सा. आदि साधु-साध्वी मण्डल के सानिध्य में मनाई गई। इस अवसर पर पूज्य आचार्यश्री ने , पूज्य मुनि श्री मनितप्रभसागरजी म. आदि ने दादा गुरुदेव के गुणगान कर उनके विराट व्यक्तित्व का महिमा-गान किया।

गुरुपूर्णिमाकाश्रद्धाभराआयोजन

धूले 16 जुलाई। पूज्य गुरुदेव गच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसागरसूरीश्वरजी म.सा. की पावन निश्रा में आषाढ शुक्ला पूर्णिमा को गुरु-पूर्णिमा मनाई गई। पूज्य गुरुदेवश्री ने प्रवचन फरमाते हुए कहा- जिनशासन में गुरु-पूर्णिमा के रूप में स्वतंत्र कोई पर्व नहीं है। भारतीय वातावरण में गुरु पूर्णिमा के रूप में यह पर्व वर्तमान में मनाया जाता है।

उन्होंने कहा- आज के दिन गुरु के उपकारों का स्मरण करना है। उनके प्रति अपनी श्रद्धा अभिव्यक्त करनी है। उन्होंने अपने गुरुदेव से संबंधित कई घटनाऐं भी सुनाई।

नूतन दीक्षित पूज्य मुनि श्री मयूखप्रभसागरजी म. ने गुरु महिमा का वर्णन करते हुए कहा- गुरु के आशीर्वाद के अभाव में जीवन का कोई मूल्य नहीं है। उन्होंने कहा- उगते हुए सूर्य का प्रकाश है आप! खिलते हुए पुष्प की सुवास है आप! चहकते हुए पक्षियों की आवाज है आप! जीवन-वायुयान के पथदर्शक हैं आप! आधुनिक

मां साइकिल के चक्र में पांव न आ जाए , इसकी चिंता करती है। अध्यात्म की गुरु मां भवचक्र में भटक न जाए , इसकी चिंता करती है।

आधुनिक मां आइपोड गिफ्रट करती, गुरु मां आई एण्ड गोड का संबंध बताती है।

नूतन दीक्षित पूज्य मुनि श्री महितप्रभसागरजी म. ने कहा- संसार में मणि एवं मनी का महत्व है। ऐसे ही मेरे जीवन में भी मणि एवं मनित का उतना ही महत्व है। गुरु भगवंतों की कृपा मुझे निरंतर मिल रही है। उन्होंने कहा- गुरु आज्ञा को शिरोधार्य करने का ही यह परिणाम है कि मेरे साधु जीवन का पहला चातुर्मास गुरु निश्रा में होने जा रहा है, जो पहले अक्कलकुआं होना था।

पू. साध्वी श्री विमलप्रभाश्रीजी म. ने गुरु-महिमा का विस्तार से वर्णन किया। इस अवसर पर जगद्गुरु मंडल के श्री सतीशजी छाजेड ने भजन प्रस्तुत किया। श्रीमती श्वेता राठोड़ ने भी गुरुभक्ति गीतिका की प्रस्तुति दी। गुरु पूर्णिमा के दिन गुरु पूजन का लाभ सांचोर निवासी जहाज मंदिर के कोषाध्यक्ष श्री प्रकाशजी छाजेड एवं धोरीमन्ना निवासी श्री सुरेशजी ने लिया।

आज के दिन पूज्यश्री का पूजन करने सूरत , भिवण्डी, मुंबई, जालोर, धोरीमन्ना, अहमदाबाद आदि क्षेत्रें से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पधारे।

खरतरगच्छसहस्राब्दीसमारोहकेअध्यक्षबनेश्रीमंगलप्रभातजीलोढा

धूले 11 जुलाई। मुंबई भाजपा अध्यक्ष व विधायक श्री मंगलप्रभातजी लोढा को खरतरगच्छ सहस्राब्दी समारोह का अध्यक्ष घोषित किया गया है। यह घोषणा पूज्य गुरुदेव गच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. ने धूलिया नगर में चातुर्मास प्रवेश पर की।

उन्होंने कहा- श्री मंगलप्रभातजी लोढा एक योग्य व्यक्तित्व है। वे पूर्व में गच्छ के अध्यक्ष पद को सुशोभित कर चुके हैं। उनके नेतृत्व में सहस्राब्दी समारोह का अनूठा आयोजन संपन्न होगा।

यह ज्ञातव्य है कि गतवर्ष इन्दौर में खरतरगच्छ के आगेवानों के विशेष अधिवेशन में यह निश्चित किया गया था कि सन् 2022 के फरवरी या मार्च महिने में योग्य स्थान पर सहस्राब्दी समारोह का आयोजन किया जायेगा।

श्री मंगलप्रभातजी लोढा ने इस जिम्मेदारी को सहर्ष स्वीकार करते हुए कहा- मैं इस आयोजन को पूर्ण रूप से सफल बनाने हेतु प्रयत्नशील रहूँगा।

श्री लोढा महाराष्ट्र प्रदेश विधानसभा के मुंबई क्षेत्र से विधायक है। हाल ही में उन्हें मुंबई भाजपा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

अहमदाबादसेशंखेश्वरपदयात्रासंघ

धूले 22 जुलाई। पूज्य गुरुदेव गच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसागरसूरीश्वरजी म.सा. की पावन निश्रा में अहमदाबाद से श्री शंखेश्वर महातीर्थ के लिये छह री पालित पद यात्र संघ का आयोजन होगा।

मूल सिणधरी वर्तमान में अहमदाबाद निवासी श्रीमती जसोदादेवी वंसराजजी मंडोवरा परिवार की ओर से इस संघ का आयोजन किया जा रहा है।

संघ में निश्रा प्रदान करने की विनंती लेकर मंडोवरा परिवार 400 से अधिक अपने परिवारजन , इष्ट मित्रजन आदि को लेकर पूज्यश्री की निश्रा में ता. 22 जुलाई 2019 को धूलिया पहुँचे और पूज्यश्री से भावभीनी विनंती की।

पूज्यश्री ने उनकी विनंती को द्रव्य क्षेत्र काल भाव आदि के आगार के साथ स्वीकार किया। और 16 दिसम्बर 2019 सोमवार का शुभ मुहूर्त्त प्रदान किया। जिसे श्रवण कर मंडोवरा परिवार और सकल श्री संघ में परम आनंद व उल्लास का वातावरण छा गया। संघपति माला का विधान 25 दिसम्बर को होगा।

सांचोरमेंचातुर्मासिकप्रवेश

सांचोर 6 जुलाई। पूज्य खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती एवं शिष्यरत्न पू. मुनिराज श्री मुक्तिप्रभसागरजी म. सा. , पू. मुनिराज श्री मनीषप्रभसागरजी म. सा. , सत्यपुर रत्न पू. मुनिराज मोक्षप्रभसागरजी म. सा. ठाणा-3 का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश शनिवार दि. 6 जुलाई 2019 श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ सांचोर के तत्वावधान में हुआ।

प्रातः 07ः30 बजे कुशल भवन से सकल श्रीसंघ के साथ बाजते गाजते कुंथुनाथ मंदिर (भोजनशाला) के पास गुरु भगवंतों का भव्य सामैया हुआ। वहां से भव्य शोभायात्र नगर के विभिन्न राजमार्गों से होते हुए कुशल भवन में धर्मसभा में परिणत हुई।

धर्मसभा में पूज्य मुनिराज श्री मनीषप्रभसागरजी म. ने अपने प्रवचन में कहा कि परमात्मा महावीर की विचरण भूमि एवं गौतमस्वामीजी के द्वारा उद्घोषित 'जयउ वीर सच्चउरी मंडण' भूमि पर चातुर्मास की हार्दिक प्रसन्नता है। चातुर्मास में आराधना-तपस्या का पुरा लाभ उठाना है।

पोकरणमेंप्रतिष्ठामहोत्सवसंपन्न

पोकरण 4 जुलाई। पूज्य गुरुदेव अवन्ति तीर्थोद्धारक खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. के शिष्य पूज्य मुनि प्रवर श्री मयंकप्रभसागरजी म. एवं पूज्य आर्य मेहुलप्रभसागरजी म. की निश्रा में श्री जैसलमेर लोद्रवपुर पार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर ट्रस्ट के तत्त्वावधान में मूलनायक परमात्माओं का उत्थापन किए बिना संपन्न शास्त्रशुद्ध जीर्णोद्धार के पश्चात् ध्वजदण्ड , ध्वजारोहण, कलश एवं देव-देवी प्रतिष्ठा महोत्सव विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ।

प्रतिष्ठा महोत्सव में प्रातः कुंभ स्थापना , दीपक स्थापना, अभिषेक पूजन, देवी पूजन एवं मुद्रा विधान किया गया।

शांति पार्श्वनाथ जिनालय में पार्श्वयक्ष की प्रतिमा एवं आदिनाथ जिनालय में गोमुख यक्ष की प्रतिमा भराने का लाभ श्री भंवरलालजी मोहिनीदेवी परिवार पादरु-चैन्नई वालों ने लिया। जिसकी श्री जैसलमेर लोद्रवपुर पार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर ट्रस्ट द्वारा अनुमोदना की गई।

प्रतिष्ठा महोत्सव में जैन ट्रस्ट जैसलमेर के उपाध्यक्ष श्री सुभाषजी बाफना , पूर्व अध्यक्ष श्री महेंद्रजी भंसाली, पूर्व अध्यक्ष श्री किशनचंदजी बोहरा , सहमंत्री श्री नेमिचंदजी बागचार , मुख्य व्यवस्थापक विमलजी जैन, पोकरण एसडीएम श्री अनिलजी जैन सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे।

ध्यातव्य है पोकरण में तीन जिनालय अवस्थित है जिनका संचालन जैन ट्रस्ट जैसलमेर करता है। इन जिनालयों की गणना जैसलमेर पंचतीर्थी में होती है। तीनों जिनालयों में दादा गुरुदेव श्री जिनदत्तसूरिजी एवं जिनकुशलसूरिजी की प्राचीन चरणपादुका प्रतिष्ठित है।

प्रेषक- विमल जैन, मुख्य व्यवस्थापक, जैन ट्रस्ट

जैसलमेरमेंचातुर्मासप्रवेश

जैसलमेर 10 जुलाई। पूज्य गुरुदेव अवन्ति तीर्थोद्धारक खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. के शिष्य पूज्य मुनि प्रवर श्री मयंकप्रभसागरजी म. एवं पूज्य आर्य मेहुलप्रभसागरजी म. महाराज का जैसलमेर में चातुर्मास हेतु दिनांक 10 जुलाई 2019 को प्रवेश हुआ। गड़ीसर चौराहे पर उनकी अगवानी की गई। पार्श्व महिला मंडल की सदस्यों ने कलश के शुकुन देकर नगर-प्रवेश की रस्म अदा की।

प्रवेश शोभायात्र मुख्य मार्गों से होती हुई संकटहरण पार्श्वनाथजी जिनालय , महावीर भवन स्थित धर्मनाथजी जिनालय, जैन भवन स्थित नमिनाथजी जिनालय के दर्शन कर जैन भवन में धर्मसभा में परिवर्तित हुई।

धर्मसभा को संबोधित करते हुए आर्य मेहुलप्रभसागरजी ने कहा कि चातुर्मास बरसात की सीजन है। बरसात पर्वत, जंगल, खेत_ इस तरह तीनों स्थानों पर बरसती है। पर्वत पर आई बरसात बह जाती है , जंगल में हुई वर्षा झाड़ियां उगाती है तो खेत में हुई वर्षा फसल पैदा करती है। हमें भी इस चातुर्मास में खेत की तरह धर्म की फसल पैदा कर समय को सार्थक करना है।

उल्लेखनीय है कि जैसलमेर में मुनि भगवंतों का चातुर्मास श्रुताराधना के निमित्त से हो रहा है। दुर्ग स्थित खरतरगच्छीय आचार्य श्री जिनभद्रसूरि ज्ञानभंडार में संरक्षित गुटकों (ग्रंथों) के सूचीकरण आदि कार्य में संलग्न है।

प्रतिदिन प्रवचन महावीर भवन में गतिमान है जिसमें श्रीसंघ के सभी सदस्य पूरा लाभ ले रहे हैं।

प्रेषक- विमल जैन, मुख्य व्यवस्थापक, जैन ट्रस्ट

नेमीनाथजन्मकल्याणकमहोत्सवहर्षोल्लाससेमनाया

जैसलमेर 4 अगस्त। सकन जैन श्रीसंघ चातुर्मास समिति , जैन ट्रस्ट, पार्श्व महिला मंडल के तत्त्वावधान में पूज्य गुरुदेव अवन्ति तीर्थोद्धारक खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. के शिष्य पूज्य मुनि प्रवर श्री मयंकप्रभसागरजी म. एवं पूज्य आर्य मेहुलप्रभसागरजी म. की निश्रा में दि. 4 अगस्त को प्रातः 8ः30 बजे महावीर भवन से अष्टप्रकारी पूजन सामग्री लेकर बाजते-गाजते नेमिनाथ भगवान का जयकार लगाते हुए दुर्ग स्थित पार्श्वनाथ जिनालय पहुँचकर नमिनाथ भगवान जन्म कल्याणक का महाअभिषेक महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया।

आर्य श्री मेहुलप्रभसागर महाराज ने संगीत की स्वरलहरियों के साथ मंत्रेच्चार के साथ विधि-विधान से नेमिनाथ भगवान का महाअभिषेक व महापूजन सम्पन्न करवाया। इस अवसर पर मुनिश्री ने अभिषेक का महत्त्व समझाते हुए कहा कि वैराग्यकल्पलता ग्रंथ में कहा है कि परमात्मा का अभिषेक करने से रोग , शोक, आधि, व्याधि का नाश होता है। घर-परिवार में समाज व राष्ट्र में सुख-शांति-समृद्धि के साथ वांछित फल की प्राप्ति होती है।

नेमिनाथ भगवान के अभिषेक का लाभ श्रीमती शांतिदेवी धर्मपत्नी मोहनलालजी राजेशकुमार अर्जुनकुमार भंसाली परिवार , बरास पूजा का लाभ भगवानदासजी पुत्र राजू ललित महेन्द्र नरेन्द्र जिन्दाणी परिवार, केशर पूजा का लाभ श्रीमती धाईदेवी धर्मपत्नी कुन्दनमलजी नेमीचंदजी राखेचा परिवार, पुष्प पूजा का लाभ श्रीमती गुलाबबाई धर्मपत्नी सेठ आईदानजी महेन्द्रभाई जिनदत्त बापना परिवार , आरती मंगल दीपक का लाभ नेमीचंद बाबूलालबागचार परिवार तथा संभवनाथ भगवान के अभिषेक का लाभ मूलचंदजी चंदूजी चोपड़ा परिवार , बरास केसर पूजा महेन्द्रभाई जिनदत बापना परिवार , इसी प्रकार मूलनायक पार्श्वनाथ भगवान के अभिषेक का लाभ भगवानदास महेन्द्रकुमार तरूणकुमार जिन्दानी परिवार , आरती-मंगल दीपक का लाभ सुरेन्द्रकुमार, मोहितकुमार बापना परिवार ने लिया। सभी लाभार्थी परिवारों ने परमात्मा का चैत्यवन्दन व महाआरती के बाद अपने जीवन में सुकृत कार्य करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर सकल जैन श्रीसंघ के अध्यक्ष राजमल जैन , व्यवस्थापक विमल जैन, जैन पार्श्व महिला मण्डल, ओमप्रकाश राखेचा , शांतिलाल बम्ब , मोहनलाल बरडिया , ललित जिन्दानी , मनोज जिन्दानी , विजयसिंह कोठारी, पवन कोठारी, वीरेन्द्रकुमार राखेचा, सम्पत डूंगरवाल, गौरव राखेचा, मुख्य पुजारी बंटी शर्मा के साथ ही कई गणमान्य व्यक्तिफ़ उपस्थित थे।

प्रेषक- महेन्द्रभाई बापना